http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 39

प्रयागराज गुरुवार 24 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पीएम ने महात्मा गांधी पर प्रदर्शनी देखी

● कजान में पीएम मोदी के स्वागत में घुली चक-चक की मिठास

कजान,(एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के दो दिवसिय यात्रा पर है। जहां मंगलवार को पीएम मोदी महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी, जो उनकी कजान की यात्रा के अवसर पर लगाई गई थी। इस विषय में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान की अपनी यात्रा के अवसर पर महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी। बता दें कि कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात की। जुलाई में चुनाव जीतने के बाद ईरान के राष्ट्रपति बने पेजेशकियान और पीएम मोदी के बीच यह पहली मुलाकात थी। जायसवाल ने किया पोस्ट जायसवाल ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन के प्रदर्शनी में अन्य चीजों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा के जुड़ाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होने कहा कि यह प्रदर्शनी विशेष महत्व रखती है क्योंकि प्रदर्शनी में अन्य बातों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा गांधी के जुड़ाव को भी दर्शाया गया। यह प्रदर्शनी इसलिए भी खास है क्योंकि लियो टॉल्स्टॉय कई वर्षों तक कजान में रहे और अध्ययन किया था। प्रदर्शनी में महान नेताओं का वर्णन रूसी रईस कहे जाने वाले काउंट लियो टॉल्स्टॉय और मोहनदास करमचंद गांधी दो महान नेता थे, जिन्होंने अहिंसा सार्वभौमिक प्रेम, सबसे कमजोर लोगों के लिए चिंता करते थे। उन्होंने एक नैतिक रुख और व्यक्तियों, समूहों, साथ ही राष्ट्रों के बीच संघर्षों का अहिंसक समाधान का उपदेश दिया था। टॉल्सटॉय के विचारों से प्रेरित थे महात्मा गांधी आस्था भारती की पत्रिका डायलॉग के अनुसार गांधीजी टॉल्स्टॉय से न केवल अहिंसा और अहिंसक प्रतिरोध के संबंध में प्रेरित थे बल्कि उनके श्रोटी श्रमश के विचार और गरीबों सहित दूसरों की पीठ से श्उठनेश के इसके सहवर्ती विचार से भी प्रेरित थे। उन्होंने टॉल्स्टॉय के श्रोटी श्रमश के सिद्धांत को काम करने के कर्तव्य और अधिकार के एक पूर्ण विकसित सिद्धांत में विकसित किया।

समृद्धि सम्मेलन में बोले, सीएम योगी...

देश के सबसे अच्छे हाईवे यूपी में

● मार्च 2025 में 32 लाख करोड़ होगी उत्तर प्रदेश की जीडीपीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) मार्च 2025 तक 32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। श्री योगी ने बुधवार को एक समाचार पत्र द्वारा आयोजित सम्मेलन में राज्य की आर्थिक उपलब्धियों, सुरक्षा व्यवस्था, औद्योगिक विकास और माफिया के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारें वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया की नीति अपनाती थीं, जबकि हमने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के माध्यम से उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग की। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय राज्य की जीडीपी 12 लाख करोड़ रुपये थी, लेकिन उनकी सरकार के प्रयासों से 2023–24 में यह आंकड़ा 26 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है और अब 32 लाख करोड़ का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य में माफिया के खिलाफ की गई कड़ी कार्रवाई पर जोर देते हुये उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपराधियों और माफिया को कतई बर्दाश्त नहीं किया है। जिस क्रूरता से अपराधी और माफिया नागरिकों के साथ व्यवहार करते थे, उसी क्रूरता से हमारी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करती है। उन्होंने बताया कि राज्य में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसके तहत 64 हजार एकड़ भूमि माफियाओं से मुक्त कराई गई है। पहले की सरकारें माफिया की मदद करती थीं, लेकिन अब उनकी सुरक्षा हटाकर राज्य को माफिया मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निवेश और औद्योगिक विकास पर जोर देते हुये कहा कि 2017 में जब उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब निवेश की स्थिति बेहद खराब थी लेकिन अब यूपी में निवेश के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उनकी सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की, जिसके परिणामस्वरूप राज्य को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। योगी ने बताया कि पहले हमारे अधिकारियों को 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश लाना भी बड़ी बात लगती थी, लेकिन आज हम 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त कर चुके हैं।

माफिया और अपराधी कतई बर्दाश्त नहीं

● सीएम योगी ने राज्य में माफिया के खिलाफ की गई कड़ी कार्रवाई पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपराधियों और माफिया को कतई बर्दाश्त नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जिस क्रूरता से अपराधी और माफिया नागरिकों के साथ व्यवहार करते थे, उसी क्रूरता से हमारी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करती है। उन्होंने बताया कि राज्य में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसके तहत 64 हजार एकड़ भूमि माफियाओं से मुक्त कराई गई है। पहले की सरकारें माफिया की मदद करती थीं, लेकिन अब उनकी सुरक्षा हटाकर राज्य को माफिया मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बिरला ने चेन्नम्मा की प्रतिमा पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर कित्तूर रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी, जल शक्ति और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और अन्य विशिष्टजनों ने भी इस अवसर पर रानी चेन्नम्मा को श्रद्धांजलि दी। रानी चेन्नम्मा ने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में ब्रिटिश सेना के खिलाफ उस समय युद्ध का नेतृत्व किया, जब अधिकतर भारतीय शासक अंग्रेजों के बुरे इरादों से परिचित नहीं थे। वह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय महिला स्वतन्त्रता सेनानियों में शामिल थीं। ग्यारह सितंबर, 2007 को भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने संसद परिसर में रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा का अनावरण किया था। रानी चेन्नम्मा स्मारक समिति द्वारा भेंट की गयी इस प्रतिमा के शिल्पकार श्री विजय गौड़ हैं।

प्रियंका ने दाखिल किया नामांकन

● 35 साल पिता, मां, भाई के लिए कैंपेन किया, पहली बार अपने लिए समर्थन मांग रहीः प्रियंका

● वायनाड लोकसभा उपचुनाव, सोनिया-राहुल और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे तक रहे साथ

वायनाड,(एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी रोड शो में शामिल हुए। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने स्थानीय नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पर्चा भरा था। नामांकन पर्नेचा भरने के बाद उन्होंने अपने भाई राहुल गांधी के साथ एक रोड–शो किया। बता दें कि वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी का सामना भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से होने वाला है। रोड शो में शामिल हुए ये नेता राहुल गांधी के अलावा प्रियंका के इस रोड शो में उनकी मां सोनिया गांधी और पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद रहे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी इस रोड शो में शामिल हुए। प्रियंका गांधी ने किया लोगों को संबोधित रोड–शो में प्रियंका गांधी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, पिछले 35 सालों से मैं अलग–अलग चुनावों के लिए प्रचार कर रही हूं। यह पहली बार है जब मैं आपके समर्थन की मांग अपने लिए कर रही हूं। यह एक बहुत ही अलग एहसास है। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे वायनाड से उम्मीदवार बनने का सौभाग्य दिया। उन्होंने आगे कहा, सत्य और अहिंसा ने मेरे भाई (राहुल गांधी) को एकता और प्रेम के लिए देशभर में 8000 किमी पैदल चलने के लिए प्रेरित किया।

उपचुनाव का शेड्यूल

राज्य	सीटें	वोटिंग
वायनाड लोकसभा और 12 राज्यों की विधानसभा सीटें	1+47	13 नवंबर
नांदेड़ लोकसभा सीट और केदारनाथ विधानसभा सीट	1+1	20 नवंबर

रिजल्ट 23 नवंबर

राजस्थान में बस–ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 47 घायल

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान में कोटपुतली क्षेत्र में दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय मार्ग पर बुधवार को बस और ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा 47 अन्य घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर से दिल्ली जा रही स्लीपर बस सुबह करीब पांच बजे कोटपुतली में कंपरपुरा के पास ट्रौला से टकरा गयी। इससे बस में सवार करीब 50 लोग घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को नजदीक के राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की मौत हो गयी। गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है। घटना के बाद ट्रौला चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये। उधर हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा, "ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस असीम पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें। इस घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।"

चार 'आई' भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगे: सीतारमण

फिलाडेल्फिया (अमेरिका),(एजेंसी)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि भारत बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 2047 में विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया गया है तथा इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, इंवेस्टमेंट, इन्नोवेशन और इंक्लुशन (बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार और समावेशिता) चार 'आई' इसको साकार करने के मदद करेंगे। श्रीमती सीतारमण ने यहां पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन बिजनेस स्कूल में फायरसाइड चौट के दौरान यह बातें कही है। उन्होंने कहा " जब आप भारत को आगे बढ़ने के तरीकों पर नजर डालते हैं तो भारत बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमने 2047 में विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया है। बुनियादी ढांचा, जिसमें भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचा शामिल है। निवेश, जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के निवेश शामिल हैं। नवाचार और समावेशितारू ये 4 श्आईश उस कठिन रास्ते को संबोधित करेंगे जिसके माध्यम से हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना चाहते हैं।" उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 51 से अधिक मंत्रालय और विभाग प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) का संचालन करते हैं। पिछले 8 वर्षों में संचयी रूप से 450 अरब डॉलर से अधिक का हस्तांतरण किया गया है। 8 वर्षों में, लगभग चार करोड़ डॉलर की चोरी से बचाई गई है। भारत का यह डिजिटल अनुभव चोरी, धोखाधड़ी वाले लेन–देन और भूतपूर्व खाताधारकों को कम करने का एक शानदार उदाहरण है। यह करदाताओं के पैसे के बारे में जिम्मेदार होने में एक बड़ा लाभ दे रहा है। श्रीमती सीतारमण ने कहा " प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी के लिए विकास, गरीबी हटाने और यह सुनिश्चित करने के बड़े एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं कि दुनिया हम सभी के रहने के लिए एक बेहतर जगह हो।

हमने अपने नागरिकों को जो डिजिटल पहुँच प्रदान की है।

, वह एक बहुत शक्तिशाली साधन है और चूँकि उन्होंने प्रौद्योगिकी को अपनाया है, इसलिए हमने इसके परिणाम देखे हैं।"

झामुमो ने विधानसभा चुनाव के लिए 35 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की

रांची,(एजेंसी)। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन की प्रमुख घटक झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) ने विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार देर रात उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है। इस सूची में में 35 उम्मीदवारों के नाम हैं। इनमें बरहेट (अजजा) से हेमंत सोरेन राजमहल से एमटी राजा, बोरियो (अजजा)से धनंजय सोरेन, महेशपुर (अजजा) से

स्टीफन मरांडी शिकारीपाडा (अजजा) से आलोक सोरेन,नाला से रविन्द्रनाथ महतो, दुमका (अजजा) से बसंत सोरेन मधुपुर से हफीजुल हसन, सारठ से उदय शंकर सिंह, गाण्डेय से कल्पना मुर्मू सोरेन, गिरिडीह से सुदिव्य कुमार,डुमरी से बेबी देवी, चन्दनक्यारी (अजा) से उमाकान्त रजक,बहरागोड़ा से समीर मोहन्ती टुण्डी से मथुरा प्रसाद महतो, घाटशिला (अजजा) से रामदास सोरेन,पोटका (अजजा) से संजीव सरदार,जुगसलाई (अजा) से मंगल कालिन्दी,ईचागढ़ से सबिता महतो, चाईबासा (अजजा) से दीपक बिरुवा,मझगांव (अजजा) से निरल पूरती,मनोहरपुर (अजजा) से जगत मांझी,खरसावां (अजजा) से दशरत गागराई,तमाड़ (अजजा) से विकास मुण्डा,तोरपा (अजजा) से सुदीप गुड़िया,गुमला (अजजा) से भूषण तिर्की,लातेहार (अजा) से बैद्यनाथ राम,गढ़वा से मिथिलेश कुमार ठाकुर।

दिल्ली में मौसम प्रदूषण का

● कैसे खराब हवा गर्भवती से लेकर नवजात को पहुंचा रहा नुकसान?

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। स्वास्थ्य विशेषज्ञ और कैंसर सर्जन डॉ.अंशुमान कुमार कहते है कि,वायु प्रदूषण जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी दिन तक इंसान पर प्रभाव डालता है। जब कोई व्यक्ति मां के पेट में होता है तभी से उसके शरीर पर वायु प्रदूषण का असर होने लगता है और अंतिम समय तक इसका प्रभाव शरीर पर रहता है। जैसे जैसे दिवाली नजदीक आ रही है वैसे ही वायु प्रदूषण की खतरनाक स्थिति के मद्देनजर लोगों के सांसे भी फूलने लगी है। हर साल इस मौसम में दिल्ली में लोगों को वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ सरकार अपनी पॉलिसी और आरोप प्रत्यारोपों का बखान करती हैं। कभी तो पराली को प्रदूषण का मुख्य कारण बताया जाता है तो कभी पटाखों से निकलने वाले धुएं को। इन सभी के घर में रहने वाले और बाहर काम करने वाले सभी लोगों को भीषण प्रदूषण की मार झेलनी पड़ती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ.अंशुमान कुमार ने को बताया कि ये दिल्ली–एनसीआर का ये प्रदूषण कैसे आम आदमी के स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डाल रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ और कैंसर सर्जन डॉ.अंशुमान कुमार कहते है कि,वायु प्रदूषण जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी दिन तक इंसान पर प्रभाव डालता है। जब कोई व्यक्ति मां के पेट में होता है तभी से उसके शरीर पर वायु प्रदूषण का असर होने लगता है और अंतिम समय तक इसका प्रभाव शरीर पर रहता है। जिन इलाकों में वायु प्रदूषण अधिक होता है वहां ऐसा होता है। गर्भवती महिला में सांस के जरिए प्रदूषण के कण शरीर में चले जाते हैं। इसके बाद ये कण प्लेसेंटा की सुरक्षा को पार करते हुए भ्रूण के अंगों में भी जगह बना रहे हैं। ये कण बच्चे के शरीर में चले जाते हैं और कई बीमारियों का कारण बनते हैं।

जन्म के बाद ही प्रदूषण के प्रभाव के कारण कई बीमारियां होने लगती हैं। ये ही बीमारियां आगे चलकर मौत का कारण बनती हैं।

से विशेष चर्चा में डॉ.अंशुमान कहते है।

हलकान

भारत के प्रधानमंत्री जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से इतने तंगच्य आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि बस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उभरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है।इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं है, बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दर्शाता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी इंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है।

लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझौते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है।सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे संविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है।यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद

अमित भनोट

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है।अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है।देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह श्अव्यावहारिकच्य है, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए श्भीम एप्च, मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए श्डिलीवरी एप्च, खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है।इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है।

नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पर्दादारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं।राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022–23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे–सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है।

निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रातरू 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023–24 में 2022–23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है।2023–24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरुआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफटवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का श्ग्रेसच्य इसी दिशा में उठाया गया कदम है।अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो, कॉपी–किताबें हों और सबसे महत्त्वपूर्ण उचित संख्या में शिक्षक हों, जो विद्यालय में समय से आएं और बच्चों को शिक्षित कर विकसित भारत का निर्माण करने में सहयोग करें जिसके लिए डिजिटल प्रक्रिया क्रांतिकारी कदम है। सभी शिक्षकों को आगे आकर डिजिटल प्रक्रिया का स्वागत करना चाहिए, वहीं प्रदेश सरकार को भी चाहिए कि शिक्षकों की मांग पर ध्यान दे और इस ऐप में सभी व्यावहारिक स्थितियों जैसे कनेक्टिविटी, टैगिंग, जीपीएस लोकेशन संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी बदलाव लगातार करे।

शिक्षण प्रक्रिया में समावेशन अत्यावश्यक

प्रो. सरोज शर्मा

वर्तमान शिक्षा के बदलते स्वरूप में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता जरूरी है जो हमारे देश की भावी पीढ़ी को नया आकार देगी और शिक्षकों की मजबूत पहचान सुनिश्चित करेगी। इसके लिए हमें अपने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को नये परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की जरूरत है।

इस दिशा में एनईपी–2020 ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता को उचित रूप से मान्यता दी है, जिसमें 21वीं सदी के सीखने के कौशल एवं सामग्री के साथ–साथ शिक्षा शास्त्र में उच्च गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण भी शामिल होगा और जो भावी शिक्षकों को बदलते समय की गति के साथ आगे ले जाएगा।

हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ने हमेशा व्यक्ति के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को गौरवशाली भारतीय संस्कृति और विरासत को दृष्टिगत करते हुए नया स्वरूप दिया जाना चाहिए। शिक्षा सामूहिक सामाजिक प्रयास है जो सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए अनुशासित होकर अपनी पूर्ण कार्यक्षमता के साथ समाज का महत्त्वपूर्ण सदस्य बने। 21वीं सदी में हम जब वैश्विक समाज में रह रहे हैं तब शिक्षकों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण के बहुमुखी कार्यक्रमों की जरूरत है। शिक्षा पाठ्यक्रम को इस तरह से संशोधित करने की भी आवश्यकता है कि वह समावेशी हो और उसमें आजीवन सीखने, शिक्षार्थियों के विकास और अनुप्रयोगों पर जोर हो।

लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों पर भी बल दिया जाना चाहिए और भावी शिक्षकों के बीच राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। पाठ्यक्रम को समाज की लगातार बदलती जरूरतों, नैतिक मानदंडों, प्रौद्योगिकी उन्नति और प्रसार एवं वर्तमान संदर्भ में दूरस्थ–वर्चुअल सीखने की पद्वति का भी संज्ञान लेना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद संपूर्ण भारत में अध्यापक शिक्षा का नियामक और पथप्रदर्शक है।

आज उसकी भूमिका और भी बढ़ती जा रही है। इसने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं। इनमें से 4–वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) महत्त्वपूर्ण कदम है। एक ओर चार वर्षीय विशिष्ट पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया है तो दूसरी ओर कुछ चयनित संस्थानों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा जहां नवीन आवश्यकताओं के अनुसार आधारभूत संरचना और मानव संसाधन उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) अध्यापकों की गुणवत्ता का एक आधार प्रस्तुत करता है। इससे 21वीं सदी में अध्यापकों की कार्यदक्षता निर्धारित होगी ताकि बदलती

तकनीक से वे स्वयं को कुशल बनाते रहे।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का एक और अभिनव प्रयास राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन (एनएमएम) है। यह शिक्षकों को सलाह देने, ज्ञान के औपचारिक–अनौपचारिक प्रसार के साथ ही शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल के विकास की दिशा में कार्य करता है। अनेक सरकारी नवाचारों को लागू करने के लिए ब्रिज कोर्स का निर्माण सरल और प्रभावी कदम होगा। जैसे–शारीरिक शिक्षा और योग शिक्षण। इसी प्रकार समावेशी शिक्षा पर भी पाठ्यक्रम जरूरी है। हम अपने समाज में बड़ी संख्या ऐसे बच्चों की पाते हैं, जो किसी न किसी तरह की शारीरिक या मानसिक अक्षमता से ग्रसित होते हैं। उनकी आवश्यकताएं बाकी बच्चों से अलग होती हैं। यही कारण है कि वे कहीं न कहीं शिक्षण की मुख्यधारा से अलग हो जाते हैं। अध्ययन–शिक्षण प्रक्रिया में उनका समावेशन अत्यावश्यक है। शिक्षकों में यह कौशल विकसित करना जरूरी है।

भारत से अतीत में ज्ञान की कई धाराएं प्रवाहित हुई, परंतु कालांतर में कहीं खो गई। शिक्षक का अत्यंत महत्त्वपूर्ण दायित्व उस समर्थ और श्रेष्ठ भारत से विद्यार्थियों का परिचय कराना भी है। अतरू एक ओर जहां शिक्षण–अध्यापन सामग्री के पुनरीक्षण के साथ–साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन की आवश्यकता है, वहीं शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। इसमें भारत के दर्शन, चिकित्सा, गणित, खगोल शास्त्र, धातु विज्ञान, जीवन मूल्यों आदि जैसे विविध ज्ञान क्षेत्र से परिचय ब्रिज कोर्स के माध्यम से हो सकता है। सूचना तकनीक आज ज्ञान के प्रसार और शिक्षण का अत्यंत प्रभावी माध्यम है।

यह शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच की दूरी को भी कम कर देती है। बदलते परिवेश और और बदलती तकनीक के साथ शिक्षकों का सूचना प्रौद्योगिकी में पारंगत होना समय की आवश्यकता है। तकनीकी विकास ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी परिष्कृत प्रौद्योगिकी को भी संभव बना दिया है, जो ज्ञान का एक नया संसार है। लेकिन हर प्रौद्योगिकी के साथ उसके न्यायपूर्ण उपयोग की आवश्यकता होती है ताकि संतुलन बना रहे। शिक्षक संतुलन बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। शिक्षक शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग भविष्य के शिक्षकों के साथ भावी विद्यार्थियों को भी सशक्त बनाएगा।

अवकाश भलाई की तरफ लिया गया कदम

नुपूर डी. पाण्डेय

महीने के वे दिन, कई बार इससे ज्यादा कहने की जरूरत नहीं होती। जब से से एक लड़की का मासिक धर्म शुरू होता है, उसी समय से उसके दायरे भी तय होने शुरू हो जाते हैं।

बड़े होते–होते अक्सर हर महिला अपने आप को उन मापदंड पर आंकती है जो उसके लिए समाज तय करता है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि महिलाओं से संबंधित समस्या का समाधान अक्सर हमारे समाज के पुरुष वर्ग करते हैं। यह किसी फेमिनाजी सोच का हिस्सा नहीं है बल्कि सदियों से चली आ रही रूढ़िवादिता की सच्चाई है। हम एक पितृसत्तात्मक समाज हैं और वर्षो से हमारी मानसिकता, महिलाएं इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में खुद को साबित करने की होड़ में है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया की वह मासिक धर्म अवकाश नीति (रूद्गठ्ठह्यह्लह्म्ह्वड्डद्य रुद्गड्ड1द्ग क्कशद्यद्बष्4) पर दुबारा सोचे क्योंकि उनको यह आशंका है कि ऐसी नीति कंपनियों द्वारा पसंद नहीं की जा सकती है। कोर्ट का यह मानना है की आने वाले समय में यह महिलाओं के लिए और मुश्किल खड़ी कर सकता है। इसके बारे में मैंने कार्यरत महिलाओं से उनकी राय पूछी और मुझे मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली। कुछ ने कोर्ट के इस फैसले का समर्थन किया और कुछ और ने जोर–शोर से मासिक धर्म अवकाश को अपनी जरूरत बताया। मुझे हैरानी तब हुई जब कुछ महिलाओं ने मासिक धर्म अवकाश का विरोध भी किया। उनका मानना यह था कि लोग इसका फायदा उठाएंगे। फायदा उठाने का मतलब दो परिप्रेक्ष्य से देखा जा सकता है– एक जिन महिलाओं के लिए यह नियम निकल रहा है वह शायद बिना जरूरत के भी इसको छुट्टी मनाने के लिए इस्तेमाल करेंगी और दूसरा संस्थाएं इसको बहाना बना कर महिलाओं को काम पर ना रखने की एक और वजह ढूंढ लेंगे।

चलिए इससे पहले कि मैं अपनी राय इस बारे में दूं कुछ तथ्य देख लेते हैं–? वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि लैंगिक समानता हासिल करने में 135.6 साल और लगेंगे। वैसे ही अभी के आकड़ों के अनुसार पुरुषों की कमाई के हर डॉलर पर महिलाओं को 84 सेंट मिलते हैं और कार्यबल में उनकी भागीदारी कम है ।? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो स्पेन, जापान और इंडोनेशिया सहित कई देश मासिक धर्म अवकाश प्रदान करते हैं, स्पेन सशुल्क अवकाश प्रदान करने वाला पहला यूरोपीय देश है।? भारत में जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियों ने मासिक धर्म अवकाश नीतियां शुरू की हैं, जबकि बिहार और केरल ने राज्य–स्तरीय नीतियां लागू की हैं। केरल विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए मासिक धर्म अवकाश भी प्रदान करता है।

यह तथ्य क्यों जरूरी है? ऐसा माना जा रहा है अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कंपनियों को महिलाओं को काम पर रखने से और हतोत्साहित कर सकता है। मासिक धर्म वाली महिलाओं के लिए श्विशेष दर्जाच्य की पुष्टि करने से उस सामाजिक सोच को बल मिल सकता है जो मासिक

धर्म को महिलाओं की कमजोरी की तरह देखता है।जब महिलाओं से पूछा गया कि क्या मासिक धर्म अवकाश उनकी सहायता करेगा, काफी महिलाएं इसके समर्थन में थी। कारण साफ था कि वह भुक्तभोगी हैं। मासिक धर्म के दौरान किस तरह की परेशानिया होती है इसका उनको अच्छे से आभास था। इसमें एक और बात ध्यान देने योग्य है–हर महिला को एक ही तरह का अनुभव नहीं होता। बेंगलुरू की डॉ. प्रेमलता का कहना है, श्अच्छा सुझाव है, लेकिन जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह सभी महिलाओं के लिए समान नहीं है। समय, प्रवाह, अवधि, दर्द आदि। गर्भवती महिलाएं इसका उपयोग नहीं कर सकती हैं, रजोनिवृत्त महिलाएं, शल्य चिकित्सा या अन्य इसका उपयोग नहीं कर सकती हैं। वैकल्पिक छुट्टी बेहतर हो सकती है। आईटी कर्मचारी मानसी (बदला हुआ नाम) ने कहा, श्मुझे लगता है कि यह जरूरी है। मुझे बहुत ज्यादा रक्तस्राव और कमजोरी और चक्कर आते हैं। हमेशा से मेरी इच्छा रही है कि महिलाओं के लिए महीने में कम–से–कम एक दिन की छुट्टी होनी चाहिए। इसके बजाय यह मासिक वैकल्पिक छुट्टी होनी चाहिए। जिन लोगों को इसकी जरूरत है वे इसे ले सकते हैं और जिन्हें इसकी जरूरत नहीं है वे काम करना जारी रख सकते हैं।च

भार्गवी (बदला हुआ नाम) ने इस पर एक नियोक्ता की दृष्टि से अपनी राय दी। श्नियोक्ता के दृष्टिकोण से, कल्पना करें कि महीने में 1 या 2 अवकाश देने से साल में 12 से 24 छुट्टियां हो जाएंगी। साल में 96 से 192 उत्पादक घंटों का नुकसान। वे शायद किसी पुरुष कर्मचारी को काम पर रखना पसंद करें। इसे कम करने से महिला कर्मचारियों को काम पर रखने के उनके फैसले प्रभावित हो सकते हैं। या फिर उन्हें उसी पद के लिए कम पैकेज देकर मुआवजा देने का एक और कारण मिल सकता है। सौ बात की एक बात, महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश की जरूरत है। वह यह भी समझ रही हैं कि शायद इसका दुरुपयोग भी हो सकता है, लेकिन मैं जब इस पूरे मुद्दे को देखती हूं तो मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि हम कितने भी आधुनिक हो जाएं, जाने–अनजाने हमारी सोच पुरातन ही रहती है। मेरा मानना है कि यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। समावेशिता का मतलब अपने को पुराने नियमों के अनुसार चलाना या फिर अपने को पुरानी मानसिकता के अनुरूप ढालना नहीं हैय इसका मतलब है पुरानी नियम पुस्तिका को हटा कर नए नियम बनाना। जो दायरे महिलाओं के लिए तय दे उनको हर रोज चुनौती देने के बजाय, वह ढर्रा ही मिटा देना। हमें अगर महिलाओ को वाकई अपने कार्यक्षेत्र का हिस्सा बनाना है, तो बहाने बनाने बंद करने होंगे। कोविड के बाद काम करने के तौर–तरीकों में काफी बदलाव आया है, लेकिन तरीकों से ज्यादा सोच बदली है। लोगों की, कर्मचारियों की और समाज की। गैर–सरकारी संगठन कॉन्फ्रेंस बोर्ड की रेडी–नाउ लीडर्स रिपोर्ट से पता चलता है कि जिन संगठनों में नेतृत्व के पदों पर कम से कम 30त्न महिलाएं हैं, उनमें अपनी इंडस्ट्री में 20त्न तक वित्तीय प्रदर्शन की बढ़ोतरी की संभावना होती है। समय आ गया है की हम यह सोचने के बजाय की कहीं महिलाओं की भलाई की तरफ लिया गया कदम, उनको मुश्किल में न डाल दे, यह सोचें कि लोगों की सोच कैसे बदली जाए कि वह इस कदम को बाधा न समझ कर प्रेरणा समझे। क्या हम तैयार हैं, समय बदलने के लिए?

राजस्व वसूली के कार्य में शिथिलता क्षम्य नही होगी-डीएम

जिलाधिकारी ने राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की और निर्देशित किया कि राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी

➤ न्यायालय में लम्बित वादों का निस्तारण एक माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाये–डीएम

तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी, सभी जिम्मेदार अधिकारी शासन की ओर से निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा में प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नामान्तरण, पैमाइश, वरासत के प्रकरणों को लम्बित न रहें उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, शिकायते डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये। बैठक में जिलाधिकारी ने 03 वर्ष से न्यायालय में लम्बित वादों की समीक्षा कर उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारों को निर्देशित किया कि लम्बित वादों का निस्तारण एक माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसीलों के अन्तर्गत जिन तालाबों पर अतिक्रमण/कब्जा है उन्हें मुक्त कराकर मत्स्य पालकों हेतु पट्टा आवंटन की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करायी जाये। गंगा, गोमती, सई नदियों पर खण्ड बनाने की कार्यवाही की जाये। दैवीय आपदा की समीक्षा में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारों को निर्देशित किया कि दैवीय आपदा के प्रकरणों पर 24 घंटे के अन्दर आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित लाभार्थी को लाभ दिया जाये। बैठक चकबन्दी, राजस्व विभाग के अन्य कार्य जिसमें स्वामित्व योजना, घरौनी, आडिट आपत्ति सहित अन्य कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने–अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बैठक के उपरान्त जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों के साथ बैठक कर नगर पालिका परिषद बेल्हा एवं नगरीय निकायों की विभिन्न योजनाओं के प्रपोजल की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जनपद में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध–जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया है कि जनपद में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। जनपद में किसी भी प्रकार के उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। जनपद में डीएपी, एनपीके एवं यूरिया सहित सभी प्रकार के उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ही इनकी निर्धारित दरों पर विक्री की जा रही है। दिनांक 10.10.2024 को जनपद में यूरिया 17918 मै0टन, डीएपी 3577 मै0टन, एनपीके 4011 मै0टन, एमओपी 1235 मै0टन एवं एसएसपी 475 मै0टन की उपलब्धता है। वर्तमान में रबी अभियान के तहत कृषक भाईयों द्वारा दलहन, तिलहन आदि फसलों हेतु डीएपी से बेहतर विकल्प के रूप में एनपीके खाद का प्रयोग करना चाहिये, इसके साथ ही किसान भाई एसएसपी का प्रयोग अधिक से अधिक करें जिससे भूमि को अन्य तत्वों के साथ सल्फर भी मिल सके। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक विक्री पर अनिवार्य रूप से कैश मेमो देने व पीओएस मशीन से उर्वरक विक्री के साथ–साथ स्टॉक रजिस्टर को अपडेट रखने के निर्देश दिये गये है एवं सभी कृषकों को पीओएस मशीन से उनकी जोत के अनुसार उर्वरक देने हेतु निर्देशित किया गया है। कृषक भाई सन्तुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें और अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार के उर्वरकों का भण्डार न करें।

सामाजिक संस्था दृष्टि ने मनाया स्थापना दिवस

चित्रकूट (आरएनएस)। शहर की सामाजिक संस्था दृष्टि में संस्था के स्थापना की 30वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया। समारोह का उदघाटन बांदा डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने किया।संस्था के महासचिव शंकर लाल गुप्ता ने बताया कि विश्व स्वेत छड़ी दिवस और दुनिया के दृष्टिबाधितों के प्रतीक का दिन है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1995 में आज के दिन दृष्टि की स्थापना की गई थी। संस्था दृष्टिबाधित महिलाओं और बालिकाओं के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिए शिक्षा से लेकर स्वरोजगार तक के कार्य किए जा रहे है। हजारों बालिकाएं एवं महिलाएं लाभान्वित हो चुकी है। समारोह में संस्था ने शहर के डा एके मोहन को मानद सदस्यता भी प्रदान किया। समारोह में मुख्य रूप से डीसीएफ अध्यक्ष योगेश जैन, लल्लूराम शुक्ला, हमीरपुर के बीजेपी के जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता, अरुण गुप्ता, विजयचंद्र गुप्त, सुषमा सिंह, अनीता सिंह, पारुल गुप्ता, अमोल गुप्ता, राम, डा अरुण कुमार, पंकज दुबे, बसंत लाल, रघुनाथ प्रसाद आदि मौजूद रहे। समारोह का संचालन सचिव बलबीर सिंह ने किया। प्रधानाचार्या वर्षा गुप्ता ने आभार जताया।

सपा की मासिक बैठक संपन्न–समाजवादी पार्टी विधानसभा की बैठक रविवार को संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से कहा कि सभी पदाधिकारी गांव–गांव जाकर समाजवादी संगठन को मजबूत करें और मतदाता सूची में छूटे हुए नाम को मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का काम करें। आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को विजय हासिल हो सके।

संक्षेप

मनीष तिवारी पर मुकदमा दर्ज

डाला (सोनभद्र)(आरएनएस)। डाला भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने फेसबुक के माध्यम से पैगंबर मुहम्मद को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसमे उन्होंने दशहरा में रावण के दहन का विरोध करते हुए धर्म समुदाय विशेष के लोगों और पैगंबर मुहम्मद के पुतले दहन करने की बात लिखी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डाला चौकी प्रभारी की तहरीर पर चोपन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रशासन ने मामले की विवेचना और सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। चोपन थाना प्रभारी विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि डाला चौकी प्रभारी शिव कुमार सिंह की तहरीर पर मनीष तिवारी द्वारा फेसबुक पर पैगंबर के संबंध में किए गए अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को 213ध्24 धारा 302 व 353 (2)बीएनएस की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

केस में सुनवाई 16 नवंबर को

जौनपुर (आरएनएस) आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट के अटाला माता मंदिर केस श्री भगवान श्री अटाला माताध्अटाला देवी आदि बनाम उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड आदि में न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 16 नवम्बर नियत की। वादी अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि आज दौरान सुनवाई न्यायालय में उन्होंने आदेश 1 नियम 8 सीपीसी का प्रार्थना पत्र दिया था जिसका निस्तारण करते हुए न्यायालय ने आदेश किया है। वादी अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि माननीय न्यायालय ने अपने आदेश में वादी पक्ष को 7 दिन के भीतर प्रकाशन की कार्यवाही व अटाला माता मंदिर क्षेत्र में मुनादी करवाने का आदेश दिया है ताकि सभी हितबद्ध व्यक्ति 16 नवंबर को न्यायालय में अपना पक्ष रख सकें। वादी अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया माननीय न्यायालय के आज के आदेश से विपक्षी संख्या–1 उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व विपक्षी संख्या–2 प्रबंधन कमेटी अटाला मस्जिद अपना पक्ष माननीय न्यायालय में रख सकते है। अटाला माता मंदिर केस माननीय सिविल जज(सी०डि०) अनुज जौहर के न्यायालय में विचाराधीन है। आज दौरान सुनवाई वरिष्ठ अधिवक्ता बी डी मिश्रा,अधिवक्ता सूर्या परमार, अधिवक्ता विनीत त्रिपाठी ने बहस की व दौरान सुनवाई आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट के प्रदेश सचिव अनिमेष सिंह व जिलाध्यक्ष अमर प्रताप गौतम न्यायालय में मौजूद रहे। न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 16 नवंबर नियत की है।

बदमाषों ने मारी गोली

जौनपुर (आरएनएस)। चन्दवक थाना क्षेत्र के बजरंगनगर – कोइलारी मार्ग के अईलिया गांव के समीप बुधवार की शाम सर्राफा व्यवसाई विक्रांत सेठ पुत्र चंद्रमोहन अपनी दुकान बंद कर कार से घर जा रहा था कि अज्ञात बदमाशो ने गोली मारदिया और फरार हो गए। भागते समय बदमाशो को देख ग्रामीण गाड़ी के पास पहुंचे तो चालक की सीट पर युवक लहूलुहान की हालत में पड़ा हुआ था।पहचान होने पर पुलिस व परिजनों को सूचना दी गई।सूचना पर पहुंच थानाध्यक्ष व परिजन उपचार हेतु ट्रामा सेंटर वाराणसी ले गए जहां युवक की स्थित नाजुक बनी हुई है घटना की जानकारी होने पर मौके पुलिस अधिकारी सति फोर्स पहुंची लेकिन बदमाषों का कहीं पता नहीं लगा। ज्ञात हो कि चार किलोमीटर के अंदर दो चौकी होने के बाद भी बखौफ होकर बदमाश चोरी,छिनौती व गोली की घटनाओं की वारदात को अंजाम दे रहे हैं जिसको लेकर पुलिस पर सवालिया निशान लगाये जा रहे है।

बाइक सवार में भिड़ंत तीन घायल

कुशीनगर। जनपद के सेवरही थाना क्षेत्र के बनरहा रेगुलेटर चौराहा के पास मूर्ति विसर्जन की जुलूस के दौरान अनियंत्रित बाइक ने आटो में टक्कर मार दी।ठोकर से आटो में बैठी दो महिला सहित बाइक पर बैठा एक युवक घायल हो गया।जानकारी के अनुसार उक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इमलिया में स्थापित मूर्ति के विसर्जन के लिए जुलूस निकला था। जिसमें दर्जनों की संख्या में युवक शामिल थे।जुलूस बनरहा रेगुलेटर नहर चौराहे के करीब पहुंचा ही था कि तभी एक बाइक पर सवार दो युवक अचानक निकले। बाइक की गति तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर बगल से गुजर रहे एक ई रिक्शा आटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बैठी दो महिलाएं रूबी शर्मा पत्नी रविंद्र शर्मा तथा खुशबू खातून पत्नी मनौवर निवासी परसौनी बुजुर्ग टोला कौवा पट्टी थाना तमकुहीराज की घायल हो गई जबकि धुरिया इमिलिया निवासी बाइक सवार महेश यादव पुत्र कमल यादव, उम्र (22 वर्ष)सीएचसी सेवरही से जिला मुख्यालय रेफर किया गया। तथा दूसरा बाइक सवार सनोज यादव पिता का नाम अज्ञात बाईक सहित फरार है। इस सम्बन्ध में एसओ सेवरही श्री प्रकाश राय ने बताया कि सूचना मिली है मौक पर हूं, स्थिति नियंत्रित है।

रोटरी क्लब ने किया सम्मानित

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी का कुशीनगर में प्रथम आगमन पर रोटरी क्लब द्वारा बुधवार शाम भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम कुशीनगर स्थित कुशीनगर रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया, जहाँ श्रीमती चौधरी को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।स्वागत कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, जागरूकता और सामाजिक उत्थान के मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों के प्रति संजीवनी का कार्य कर रहा है और कुशीनगर में महिलाओं के कल्याण हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान क्लब के संरक्षक एवं नगर पालिका परिषद कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, विजय गुप्ता, सदरे आलम, डॉ. सुनील सिंह, विजय कृष्ण द्विवेदी, अरुण वर्मा, अरुण मौर्या एवं हेमंत गर्ग उपस्थित रहे।

दो युवक अवैध असलहे के साथ बंदी

सुल्तानपुर (आरएनएस)। जिले में दो युवकों को अवैध असलहा रखकर घूमना महंगा पड़ गया है। कुड़वार थाने के सिपाहियों ने कस्बे में दौड़ाकर दोनों युवकों को पकड़ लिया और थाने लेकर गए। इसका एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दोनों के विरुद्ध मुकदमा कायम किया जा रहा है। दरअस्ल दुर्गापूजा महोत्सव का मेला चल रहा है। इस क्रम में कुड़वार बाजार में भी मेले में भीड़ आई हुई थी। तभी दो संदिग्ध युवक कुड़वार थाने के सिपाही अभिषेक प्रताप और दीवान राम कुमार यादव को दिखाई दिए। दोनों ने अवैध असलहा खोस रखा था। इसकी भनक लगते ही सिपाहियों ने उन्हें घेरकर पकड़ना चाहा तो वो रोड पर सुनसान इलाके की ओर भागे।आखिर में दौड़ाकर दोनों संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए युवकों की पहचान थाना क्षेत्र के भदहरा गांव निवासी संदीप गुप्ता पुत्र राम कृपाल गुप्ता व उतरदहा निवासी प्रदीप यादव पुत्र गंगाराम यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष कुड़वार चंद्रभान वर्मा ने बताया कि विधिक कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है।

श्रीमदभागवत कथा सुनने मात्र से मोक्ष की प्राप्ति होती है–आचार्य

बल्दीरायध्सुलतानपुर(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र के पूरे मलेया पांडेय मजरे कांपा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य अलोकानंद ने मौजूद श्रोताओं को श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मायारूपी जीवन अंत समय में मोक्ष को प्राप्ति होती है।

कथा में बताया कि देवकी की आठवीं संतान के रुप में जब भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तब वासुदेव व देवकी की बेड़ियां खुल गई और सारे द्वारपाल गहरी निंद्रा में सो गये उसी समय वासुदेव श्रीकृष्ण को लेकर मथुरा पहुंचे व नंदबाबा के यहां श्री कृष्ण को छोड़ नंद के यहां पैदा हुई पुत्री को वापस लेकर फिर बंदीगृह पहुंच गये। वहीं जब आठवीं संतान पैदा होने की सूचना कंस को मिली तो कंस ने पहुंचकर आठवीं संतान कन्या देखकर मारना चाहा तो फिसल कर उड़ गई। जो कि विंध्याचल पर्वत पर विराजमान हैं जिसे आज विन्ध्वासिनी के नाम से जाना जाता है। इसी के साथ उक्त दिन की कथा का समापन किया तत्पश्चात मुख्य यजमान घनश्याम मिश्रा व मिथलेश मिश्रा ने व्यासपीठ की आरती उतारी व प्रसाद वितरण किया तथा आये हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजकुंवर मिश्रा, बृजकिशोर मिश्रा, राज किशोर मिश्रा, विमल किशोर मिश्रा, राजेश कुमार मिश्रा,कैप्टन शिव विलास मिश्रा सहित काफी संख्या में श्रोतागण मौजूद रहे।

वर्चुअल कर एफपीओ के माध्यम से किया जागरूक

सोनभद्र(आरएनएस)। यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन (एफपीओ) एवं तेजस्वी संगठन न्यास द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा बिहार, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में वर्चुअल बैठक कर एफपीओ को किया गया। संचालन ई. प्रकाश पाण्डेय सीईओ यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में हिमांशु चतुर्वेदी राष्ट्रीय संगठनमंत्री तेजस्वी किसान मार्ट रहे। सर्वप्रथम बिहार प्रदेश की निगरानी समिति के सदस्यों के साथ परिचयात्मक बैठक कर एफपीओ द्वारा किसानों को जागरूक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजनवो पर वृहद चर्चा की गई। बिहार प्रदेश से आशोक कुमार, शैलेन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार तिवारी, डायमंड कुमार, नंदलाल कुमार, निखिल रोशन, ज्योति प्रकाश, बिहार के प्रभारी गुड्डू सिंह जी रहे। मध्य प्रदेश में राजाराम पटेल, अर्जुन चडार, पुरषोत्तम पटेल, दीपक राय, कमलेन्द्र कुमार, कुलदीप कुमार कानूनगो, रामेश्वर यादव, बृजकिशोर तिवारी, और उत्तर प्रदेश से गिरिराज सिंह, हितेश चौधरी, गुड्डू सिंह, अखिलेश शुक्ला, गौरव सिंह सम्मिलित रहे। तेजस्वी किसान मार्ट का उद्देश्य उत्पादक से उपभोक्ता के सफर में एफपीओ की भूमिका पर वृहद चर्चाएं की गई। एफपीओ संचालन में आने वाली समस्यावो व उनके समाधान पर निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार प्रस्तुत किये गये। जिस पर तेजस्वी किसान मार्ट समिति ने अपनी सहमती प्रस्तुत की हिमांशु चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि एफपीओ को अपने आस पास व्यापार की सुरुआत करते हुये जनपद, प्रदेश, देश एवं विदेश तक का सफर क्रमशः तय करने की आवश्यता है। लोकल फॉर वोकल के मंत्र पर काम करने की आवश्यकता है। ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा बताया गया कि एफपीओ को एकल विचारधारा से आगे बढ़कर सामूहिक विचारधारा पर काम करने की आवश्यकता है तभी देश के किसानी में एफपीओ के प्रति विश्वास की भावना का विकास होगा। तेजस्वी किसान मार्ट एफपीओ से एफपीओ के व्यापार के पल का काम करता है।

बिजली से 17 वर्षीय किशोर की मौत

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडिला बुजुर्ग निवासी एक किशोर की बिजली की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई।जानकारी के अनुसार ग्राम सभा बसडीला बुजुर्ग निवासी स्व अवधेश खरवार का लगभग 17 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार खरवार जो पढ़ाई में काफी होशियार था। वह फाजिलनगर में रहकर पढ़ता था। दशहरा की छुट्टी में वह घर आया था। कल 13 अक्टूबर दिन रविवार की रात बिजली कट जाने पर अपने घर में लगा इन्वर्टर का सप्लाई पलक सही कर रहा था। तभी अचानक बिजली सप्लाई आ जाने से उसका हाथ चपक गया था। घर वाले वहां पहुंचे तो वह गिरा पड़ा था। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक ने बताया की वह नहीं रहा सुनते ही परिजनों में चितपुकार के साथ कोहराम मच गया। जो जहा सुना वह सन्न रह गए।गांव वालों का कहना है की आज से 2 माह 19 दिन पहले ही उसके पिता की मौत विदेश में हो गया था। आज विवेक की भी मौत हो गई। उसके पिछे माता और दो भाईयों में एक मंदबुद्धि भाई भी है।

साइबर सुरक्षा सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेगे नितिन

सुल्तानपुर (आरएनएस)। नितिन पाण्डेय को सोची में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा सम्मलेन कुबान 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया है।रूसी संघ की सुरक्षा परिषद, विदेश मंत्रालय, और डिजिटल विकास, संचार और मास मीडिया मंत्रालय ने 24 और 25 अक्टूबर को रूस के सोची शहर में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कुबान 2024 सम्मेलन में भारत के प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और सुल्तानपुर निवासी नितिन पाण्डेय को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। यह सम्मेलन साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नवीनतम विकासों और चुनौतियों पर केंद्रित होगा, जिसमें विश्वभर के विशेषज्ञ, शोधकर्ता और नीति निर्माता भाग लेंगे। नितिन पाण्डेय, जो पहले भी रूस में आयोजित साइबर सुरक्षा सम्मेलनों में भाग ले चुके हैं, इस बार भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। नितिन पाण्डेय आगामी 22 अक्टूबर को रूस के लिए रवाना होंगे। यह उनके लिए रूस सरकार द्वारा साइबर सुरक्षा सम्मेलन में आमंत्रित होने का तीसरा अवसर है, जो उनकी विशेषज्ञता और योगदान को दर्शाता है। रूस में इस सम्मेलन के दौरान नितिन पाण्डेय विभिन्न सत्रों में भाग लेते हुए अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे और भारत की साइबर सुरक्षा नीतियों के संदर्भ में विचार–विमर्श करेंगे। यह सम्मेलन न केवल विशेषज्ञों के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

ब्यूर गांव में किया गया स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह

चित्रकूट (आरएनएस)। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के तत्वाधान में जनपद के ब्यूर गांव में परिषद के जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। सामाजिक जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन करने वाले प्रेरक व्यक्तित्व श्रेष्ठजन जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज (पद्म विभूषण अलंकृत) का सम्मान उनके उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास (जय महाराज) द्वारा प्राप्त किया गया।

आचार्य रामचंद्र दास ने कहा कि हम सबको मिलकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए कडी मेहनत, त्याग की भावना से शिक्षा स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में प्रयास करने होंगे। जगद्गुरू स्वामी रामभद्राचार्य महाराज दिव्यांग विश्वविद्यालय बनाकर समाज सेवा की मिसाल पेश की है। इसी प्रकार हम सब को समाज सेवा में अग्रसर होना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक सोच जागृत होती है।

संगठन के महामंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शासन स्तर से होने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को भारत सरकार द्वारा परिचय पत्र उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही मुख्य मार्ग, चौराहा आदि के नाम सेनानियों के नाम पर हों। कार्यक्रम का संचालन विनय कुमार मिश्रा, आशीष कुमार मिश्रा, नारायण द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम का समापन परिषद के जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र ने किया। इस मौके पर मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्र, ब्लॉक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा, बुआ राम शुक्ला, अखिलेश मिश्रा, महेंद्र त्रिपाठी, रामलाल गर्ग, ओमकार मिश्रा, कमलाकांत त्रिपाठी, रुद्र नारायण पांडेय आदि मौजूद रहे।

सर्राफा एसोसिशन ने किया लुटेरों के गिरफ्तारी की मांग

जौनपुर (आरएनएस)। सोनार नरहरी सेना व सर्राफा एसोसिशन ,सर्राफा एसोसिशन संगठन केराकत के पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से थाना अध्यक्ष व एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपा है। थाना अध्यक्ष चंदवक को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 48 घंटे के अंदर गोली मारने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी और माल बरामद की नहीं होती है तो संगठन आंदोलन और धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा।

बताते चलें कि सर्राफा व्यापारी विक्रांत सेठ कोयलारी बाजार 9 अक्टूबर को अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें गोली मार दिया और कीमती आभूषण लूट ले गए। इस पूरे मामले को लेकर सर्राफा व्यापारियों व सोनार नहरी सेना में आक्रोश व्याप्त है।

हादसे में चालक के पैर में आई गंभीर चोटें

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी में बुधवार दोपहर सीमेंट क्लिंकर लादकर जा रहे ट्रक का ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कटर मशीन से केबिन को कटवाकर घायल चालक को बाहर निकलवाया। मध्यप्रदेश के मैहर से सीमेंट क्लिंकर लादकर बिहार जा रहा ट्रक ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतरते समय जैसे ही बड़का मोड़ घुमान से पांच सौ मीटर पहले पहुंचा तो अचानक ब्रेक फेल हो गया अनियंत्रित ट्रक आगे चल रहे सीमेंट क्लिंकर लदे ट्रक में पीछे से टकरा गया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद सरोज एस आई काशी सिंह,हेड कांस्टेबल नारायण शर्मा ने कटर मशीन से केबिन को कटवाकर ट्रक में फंसे घायल चालक राजकुमार यादव निवासी जमालपुर थाना जमालपुर को बाहर निकलवाया। घायल चालक को उपचार हेतु एंबुलेंस सेवा 108 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक के पैर में आई गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मध्यप्रदेश के मैहर से सीमेंट क्लिंकर लादकर जा रहे ट्रक का ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतरते समय ब्रेक फेल हो गया।

पुलिस ने लूट की घटना का किया खुलासा, पांच लुटेरे गिरफ्तार

चित्रकूट(आरएनएस)। एसओजी व थाना भरतकूप पुलिस की संयुक्त टीम ने लूट की घटना का खुलासा करते हुये पांच लुटेरों को दो तमंचे, कारतूस, लूटे का मंगलसूत्र, एक हजार रुपये, तीन मोबाइल, दस्तावेज व घटना में प्रयुक्त लाठी व राड के साथ गिरफ्तार किया है।

एसपी कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि चार अक्टूबर को बांदा जिले के फतेहगंज थाना अंतर्गत बघेलाबारी गांव निवासी कमलेश साहू पुत्र रामखिलावन ने थाना भरतकूप मे सूचना दिया कि वह अपनी बाइक से ग्राम घुरेटनपुर से गांव जा रहा था। चितराहन मोड़ पर अचानक चार नकाबपोश बदमाश हाथों डंडा व लोहे की राड लेकर आये और रोककर मोबाइल, पर्स व साथ में बैठी बुआ का मंगलसूत्र छीन लिया। इसी दौरान बाइक से उदयपाल विश्वकर्मा पुत्र अवधलाल विश्वकर्मा निवासी अन्डेवरा थाना कालिंजर जनपद बांदा को भी रोककर उनका आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड व 39 सौ रुपये छीनकर जंगल की ओर भाग गये। इस सूचना पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया था। एसपी ने बताया कि घटना को संज्ञान में लेकर थानाध्यक्ष भरतकूप एवं एसओजी प्रभारी को घटना के अनावरण के निर्देश दिए। बताया कि लूटे गये मोबाइल फोन में एक सिम डाला गया था। जिसके सम्बन्ध मे जानकारी करने पर दिलीप कुमार पुत्र भोला प्रसाद निवासी घुरेटनपुर के नाम से पाया गया। 12 अक्टूबर को दिलीप कुमार को पुलिस ने घुरेटनपुर के पास से गिरफ्तार किया। जामातलाशी से उसके पास से तमंचा 315 बोर, कारतूस व लूटा हुआ मोबाइल बरामद हुआ। कड़ाई से पूंछतांछ की गयी तो बताया कि तीन अक्टूबर को साथियों के साथ मिलकर दो बाइक सवारों से लूट की थी। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर मानपुर तिराहे से छोट्टन उर्फ अखिलेश पटेल पुत्र मुडवा उर्फ राजकुमार निवासी घुरेटनपुर, छोटा उर्फ अखिलेश पटेल पुत्र वोंगे उर्फ राजेंद्र प्रसाद निवासी ग्राम घुरेटनपुर, रामानंद पटेल पुत्र गोली उर्फ गौकरण निवासी भगनपुर चौकी परिक्रमा मार्ग व सचिन पटेल पुत्र बुद्ध विलास निवासी ग्राम घुरेटनपुर को गिरफ्तार किया गया। जामातलाशी से तमंचा, कारतूस, लूटा गया मोबाइल, मंगलसूत्र का पेंडल, पांच मोंती पीली धातु, चार एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राईविंग लाइसेंस, एक पर्स जिसमे एक हजार रुपये बरामद हुआ। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी निरीक्षक एमपी. त्रिपाठी, मुख्य आरक्षी जितेन्द्र कुशवाहा, नीतेश समाधिया, आरक्षी पवन राजपूत, गोलू भार्गव, आशीष यादव, रोहित सिंह, ज्ञानेश मिश्रा, रोशन सिंह, .थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह, एसआई राहुल पांडेय, मुख्य आरक्षी शैलेन्द्र सिंह, आरक्षी रणवीर सिंह, सतीश कुमार, संदीप लोधी रहे।

वारंटी को पकड़ा

चित्रकूट। चौकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी ने टीम के साथ वारंटी रामकृष्ण पुत्र लखनलाल निवासी शिवरामपुर को गिरफ्तार किया है।

स्वच्छ महाकुंभ पर मानव श्रृंखला बनाकर नगर निगम ने प्रयागराज के नागरिको को स्वच्छता प्रति प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के तहत नागरिकों से यह अपील की जो वस्तु आपके कम न आने वाले हो उसे निगम को दान दे। कूड़ा कूड़े दान में डाले। समझदार नागरिक बने। प्लास्टिक वस्तु का त्याग करे। पेट्रोलिंग के टॉयलेट का इस्तमाल करे।

स्वच्छता जागरूक्ता हेतु नुक्कड़ नाट्य

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन ने "स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान के अंतर्गत श्री यतेंद्र कुमार–मुख्य प्रशासनिक अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 21ध10ध2024 को सायं काल 16 बजे से 17 बजे तक कोर कार्यालय के प्रांगण में स्वच्छता सम्बन्धी जागरुकता को बढ़ावा देने हेतु नुक्कड़ नाट्य का आयोजन, "नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान प्रयागराज" द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आर. एन. सिंहदृप्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजी.ध्प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी नरेंद्र सिंह–प्रमुख मुख्य इंजीनियर, कल्याण सिंह–उप महाप्रबंधक एवं विमल कुमार जनसम्पर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन कल्याण सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने दिया।

हाईकोर्ट में शनिवार से दीपावली का अवकाश, अब चार से होगा कामकाज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार से ही दीपावली की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। इसके बाद चार नवंबर से अदालती कामकाज शुरू होगा। हाईकोर्ट प्रशासन ने सोमवार 28 अक्तूबर को अवकाश घोषित कर दिया है। इसके एवज में हाईकोर्ट 23 नवंबर शनिवार को खुलेगा। हाईकोर्ट ने अधिकृत रूप से दीपावली की छुट्टियां 29 अक्तूबर से तीन नवंबर तक घोषित हैं। लेकिन, 25 अक्तूबर के कामकाज के बाद 26 को शनिवार और 27 को रविवार की छुट्टी है। इसके बाद दीपावली की छुट्टियों के बीच मात्र एक दिन के लिए कोर्ट खुला होने के कारण अधिवक्ता अपने गांव नहीं जा पा रहे थे। साथ ही वादकारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता। लिहाजा, हाईकोर्ट प्रशासन ने 28 अक्तूबर सोमवार को अवकाश घोषित किया है। इसके एवज में हाईकोर्ट 23 नवंबर की खुलेगा।

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से किशोर की मौत:

दवा लेकर साइकिल से आ रहा था घर, जसरा बाजार में हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज में यमुनानगर के घूरपुर थाना अंतर्गत जसरा बाजार में बुधवार की दोपहर ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ट्रक को थाने लेकर आ गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। किशोर की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। घूरपुर थाना क्षेत्र के जसरा गांव निवासी राजेश कुमार धुरिया मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके तीन बेटे और पत्नी हैं। सबसे छोटा बेटा संदीप कुमार धुरिया (15) मोटर मैकेनिक का काम सीख रहा था। बुधवार को पूर्वान्ह 11रू00 बजे के करीब वह साइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा दवा लेने गया था। सीएचसी से दवा लेकर वह साइकिल से वापस घर लौट रहा था। जसरा बाजार में ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज के सामने शहर से शंकरगढ़ की ओर जा रहे एक खाली ट्रक ने पीछे से संदीप की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बांदा हाईवे पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद ट्रक को खड़ा चालक फरार हो गया। किशोर को सड़क पर पड़े देख कर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन संदीप की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। उसके पास मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान हुई। उसके घरवालों को खबर दी गई। पुलिस ने परिजनों के आने के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। घूरपुर थाने की पुलिस का कहना है कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः Mech-OnF-RDI-Fueling-PRYJ दिनांकः 18.10.2024

ई-निविदा सूचना

ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से निविदाएं भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से "PRYJ DLI छोर पर प्लेटफार्म संख्या 7,8,9 और 10 पर एचएसडी तेल ईंधन भरने के स्थान का प्रावधान" के कार्य के लिए "सिंगल पैकेट सिस्टम में खुली निविदा" आमंत्रित की जाती है।

न्यूनतम तकनीकी अर्हता के लिए समान कार्य की परिभाषाः Work of supply, installation and commissioning any of the following works for Central or State Government organization /Indian Railway/Public Sector undertaking: "Erection and commissioning of Fuel pipeline work in Indian Railway yard for fueling purpose in Rolling stocks."

कार्य का मूल्य (₹ में) लगभगः 1895474.72 | बोली सुरक्षा (₹) मेंः 37900.00

निविदा प्रपत्र की लागत (₹) में : NIL, **पूर्ण होने की अवधिः** 3 Months, **निविदा बंद करने की तिथि एवं समयः 02.11.2024 13:00 Hrs., निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 02.11.2024, 13:30 Hrs., नोटः- 1.** उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेज के साथ संपूर्ण जानकारी 02.11.2024 को **13:00 बजे** तक वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकर्ताओं को केवल इस वेबसाइट पर अपना ई-निविदा जमा करना होगा। **2.** उपरोक्त ई-निविदाओं के लिए ई-टेंडरिंग के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए, ठेकेदारों को तृतीय श्रेणी के डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्रों के साथ आईआरईपीएस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। **3.** दर पृष्ठ में दर्ज की गई और डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित दरों पर ही विचार किया जाएगा। यदि निविदाकारों द्वारा कोई अन्य प्रपत्र/पत्र संलग्न किया गया है तो किसी अन्य वित्तीय इकाई में दरों पर विचार नहीं किया जाएगा। **4.** संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज़ों पर निविदाकर्ता द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। **5. बोली सुरक्षाः** सभी निविदाकारों/ठेकेदारों को इस निविदा के विरुद्ध बोली सुरक्षा के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से भुगतान करने की अनुमति है। हालांकि, बोली सुरक्षा नकद में जमा की जाएगी। ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा किया जा सकता है या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में बताया गया है। बैंक गारंटी बांड **अनुबंध-VIA** के अनुसार होगा और बोली वैधता अवधि के बाद **90 दिनों** की अवधि के लिए वैध होगा। **6.** निविदा निर्धारित समय एवं तिथि पर खोली जायेगी। यदि निर्दिष्ट तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर उसी समय खोली जाएगी। **7.** किसी भी कठिनाई के मामले में आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। **8.** किसी भी सशर्त प्रस्ताव को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा। अन्य नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेजों में देखी जा सकती हैं। **9.** वस्तुओं और/या सेवाओं के उक्त आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जीएसटी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। (रेलवे बोर्ड के पत्र क्रमांक **2016/AC-II/I/6** दिनांक **12 मई** 2017 के अनुसार) **1840/24 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

दुष्कर्म के आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकरार: हाईकोर्ट ने कहा–25–26 दिन आरोपी के साथ रहने के बाद भी पीड़िता ने नहीं मांगी मदद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में चार लोगों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही करार देते हुए उसे बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जो कुछ हुआ उसमें पीड़िता की सहमति थी। मेडिकल जांच में भी यौन उत्पीड़न के आरोप साबित नहीं हो रहे हैं। बिना उचित कारण दिए एफआईआर 15 दिन की देरी से दर्ज कराई गई। पीड़िता 25–26 दिन आरोपी के साथ रही, लेकिन उसने अपने बचाव के लिए किसी से मदद नहीं मांगी। इन तथ्यों के आधार पर न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी। कानपुर देहात के थाने में 22 अप्रैल 2009 को शिकायतकर्ता ने नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म व अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। उसने आरोप लगाया कि 7 अप्रैल 2009 को आरोपी बलवान सिंह, अखिलेश, सिया राम और विमल चंद्र तिवारी ने उसकी बेटी का अपहरण किया। पुलिस ने पीड़िता को 3 मई 2009 को आरोपी बलवान सिंह के साथ घ्बरामद कर लिया। ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के आधार पर पाया कि पीड़िता बालिग है। उसने आरोपी के साथ अपनी मर्जी से अपना घर छोड़ दिया था। मदद मांगने का अवसर मिलने के बावजूद उसने किसी से मदद नहीं मांगी। ऐसे में अपहरण की बात उचित नहीं लगती। इससे साबित हुआ कि वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ गई थी। उसकी इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाए गए यह भी साबित नहीं होता है। आरोपियों को आरोपों से बरी कर दिया गया। इसके पहले राज्य सरकार ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद खंडपीठ ने मामले के तथ्यों की जांच की, तो पाया कि घटना के 15 दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई थी और अभियोजन पक्ष ने इस देरी का उचित कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा– पीड़िता अपनी गवाही के अनुसार 25–26 दिनों तक आरोपी बलवान के साथ रही। फिर भी, उसने यात्रा के दौरान राहगीरों से सहायता मांगने के लिए कभी भी कोघशिश नहीं की। मेडिको–लीगल जांच रिपोर्ट यौन उत्पीड़न के आरोपों की पुघष्टि नहीं करते। अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर संदेह करने का कोई कारण नहीं पाते हुए राज्य की अपील को खारिज कर दिया।

अखाड़ों में धनबल का प्रयोग, महामंडलेश्वरों को मिलेंगी लग्जरी गाड़ियां

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े जूना अखाड़े से अलग संन्यासियों का पृथक पंच दशनाम श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़ा वंचित संतों को महामंडलेश्वर की पदवी देकर उनका सम्मान बढ़ाने के साथ ही काम करने के लिए संसाधन भी देगा। महाकुंभ में 31 राज्यों में महामंडलेश्वर बनाए जाएंगे। इन महामंडलेश्वरों को अखाड़े की ओर से काम करने के लिए लग्जरी गाड़ियां देने का निर्णय लिया गया है। 26 अक्तूबर को नव गठित अखाड़े की ओर से सात नए महामंडलेश्वरों का पट्टाभिषेक किया जाना है। पट्टाभिषेक की तैयारियों के बीच अखाड़े के संस्थापक स्वामी आदित्यानंद गोल्ड गिरि ने प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक में देश भर में धर्माधिकारियों की तैनाती करने का निर्णय लिया। अखाड़े के संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी चौतन्य गिरि, महामंत्री सचिव कृष्णानंद गिरि, महासचिव स्वामी वीरेंद्रानंद, किन्नर समाज की अध्यक्ष सोनिया नंद गिरि और अखाड़े की किन्नर समाज की आचार्य स्वामी भवानी नंद गिरि की मौजूदगी में गो संरक्षण के लिए गो माता को राष्ट्रमाता घोषित कराने का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही लव जिहाद और धर्म परिवर्तन जैसे सनातन विरोधी कार्यों को रोकने के लिए प्रत्येक राज्य में एक–एक महामंडलेश्वर बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। अखाड़े के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानंद गोल्ड गिरि ने बताया कि सनातन संस्कृति पर हमला रोकने के लिए 31 महामंडलेश्वर बनाए जाएंगे। प्रत्येक राज्य में धर्म के प्रचार का काम करने के लिए सभी महामंडलेश्वरों को स्कार्पियो कार प्रदान की जाएगी। पंच दशनाम गुरुदत्त अखाड़े का लक्ष्य सिर्फ सनातन संस्कृति को कमजोर करने वाली ताकतों को रोकना है। किसी अखाड़े या समाज के विरोध या अलग रहने जैसी बातें नव गठित अखाड़े की ओर से नहीं की जा सकतीं। उनका कहना था कि श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़े का काम वंचित संतों को ताकत देना और सर्व समाज को एकजुट करना है। श्रीपंच दशनाम गुरुदत्त अखाड़े की ओर से 26 अक्तूबर को होने वाले पट्टाभिषेक समारोह में हिस्सा लेने के लिए संरक्षक चेतन गिरि मंगलवार को यहां पहुंच गए। उन्होंने तैयारियों का संतों के साथ जायजा लिया। संस्थापक महामंडलेश्वर आदित्यनंद गोल्ड गिरि 25 अक्तूबर को यहां पहुंचेंगे।

मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका, रिकॉल आवेदन खारिज, अब तय होंगे वाद बिंदु

प्रयागराज। मथुरा श्री कृष्ण जन्म भूमि विवाद के मामले में मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की रिकॉल अर्जी को खारिज कर दी है। अब मामले में वाद बिंदु तय किए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई आठ नवंबर को होगी। श्री कृष्ण जन्म भूमि विवाद के पक्षकार एवं श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया, न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ के समक्ष मंदिर और मस्जिद पक्ष की तरफ से बहस की गई थी। पक्ष ने आर्डर सात रूल 11 के तहत दिए गए प्रार्थना को खारिज कर स्वामित्व से जुड़े 15 सिविल वादों को एक साथ सुने जाने के कोर्ट के निर्णय खिलाफ रीकाल प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। मंदिर पक्ष की तरफ से कहा गया कि रीकाल प्रार्थना पत्र मामले को उलझाए रखने के लिए है। रीकाल प्रार्थना पत्र किसी आदेश को वापस लेने के लिए दी जाती है। अदालत रीकाल प्रार्थना पत्र निस्तारण करने के बाद सिविल वादों को लेकर वाद बिंदु तय करेगी। मंदिर पक्ष ने वाद बिंदु दे दिए हैं। हिंदू पक्ष ने सभी विवादों का एकत्रीकरण कर तत्काल वाद बिंदुओं को तय करके सुनवाई की जाए। मुस्लिम पक्ष की तरफ से इसका विरोध किया गया। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने सभी मुकदमों की अलग– अलग सुनवाई करने की मांग कोर्ट से की थी। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने सुरक्षित रख लिया था। आज हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के आवेदन को खारिज कर दिया। अब सभी मुकदमे एक साथ चलाए जाएंगे।

भाजपा ने फूलपुर सीट से तय किया प्रत्याशी, कविता, विक्रम और दीपक पटेल के नामों की चर्चा

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए भाजपा कविता पटेल को प्रत्याशी बना सकती है। हालांकि पूर्व विधायक दीपक पटेल और कई साल से फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय विक्रम सिंह पटेल के नाम की भी चर्चा तेज है। सूत्रों की मानें तो इन तीनों पटेल में से किसी एक के नाम पर मुहर लग सकती है। पार्टी जल्द ही नाम को घोषणा कर सकती है। सूत्रों की मानें तो भाजपा ने कविता पटेल, दीपक पटेल और विक्रम सिंह पटेल का नाम तय किया गया है। इसमें से किसी के नाम की घोषणा की जा सकती है। चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 26 अक्तूबर तक निर्धारित है। कविता वर्तमान में भाजपा गंगापार की अध्यक्ष हैं। दीपक पटेल करछना से विधायक रह चुके हैं और उनकी मां केशरी देवी पटेल फूलपुर से सांसद भी रह चुकी हैं। विक्रम सिंह पटेल काफी समय से पार्टी से जुड़े हैं और फूलपुर विधानसभा में सक्रिय है। फूलपुर उप चुनाव में भाजपा ने मुज्तबा सिद्दीकी और सपा ने जितेंद्र कुमार सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। मुज्तबा सिद्दीकी 2022 के आम चुनाव में भी सपा से प्रत्याशी थे और मामूली अंतर से भाजपा के प्रवीण सिंह पटेल से पराजित हो गए थे। बसपा ने पहले शिवबरन पासी को मैदान में उतारा था लेकिन अचानक उनका टिकट काटकर हनुमानगंज के रहने वाले जितेंद्र कुमार सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। भाजपा ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं। यह कयास लगाए जा रहे हैं भाजपा किसी पटेल को ही अपना प्रत्याशी बना सकती है। कविता पटेल का नाम लगभग तय माना जा रहा है।

राजस्व न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ निगरानी याचिका पोषणीय नहीं, हाईकोर्ट का अहम फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी प्रकरण में राजस्व न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ कमिश्नर की अदालत में निगरानी याचिका पोषणीय नहीं है। कमिश्नर को राजस्व न्यायालय के अंतिम रूप से निर्णय वादों के खिलाफ ही निगरानी याचिका की सुनवाई का क्षेत्राधिकार है। यह फैसला न्यायमूर्ति डॉ.योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने मोहम्मद मुस्लिम और पांच अन्य की ओर से प्रयागराज के बेली कछार की भूमि विवाद को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता विभु राय ने दलील दी कि याची बेली कछार स्थित एक भूखंड का स्वामी है, राजस्व अभिलेखों में उसका नाम दर्ज है। इस जमीन को लेकर उसका विपक्षी मो.सलीम से सिविल वाद चल रहा है। सिविल वाद अदालत में लंबित है। अंतरिम निषेधाज्ञा की अर्जी खारिज हो चुकी है। विपक्षी ने इस तथ्य को छिपाकर एसडीएम की अदालत में उद्घोषणा वाद दाखिल किया। साथ ही निषेधाज्ञा की अर्जी भी दाखिल कर दी। एसडीएम ने 17 अक्तूबर 2022 को यथा स्थिति का एक पक्षीय आदेश पारित कर दिया। लेकिन, जब याची ने अपनी विस्तृत आपत्ति दाखिल की तो एसडीएम ने उक्त आदेश को वापस ले लिया। विपक्षी ने एसडीएम के आदेश के खिलाफ कमिश्नर के यहां निगरानी दाखिल की। कमिश्नर ने इसे स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि राजस्व न्यायालय के विरुद्ध निगरानी दो ही स्थितियों में सुनी जा सकती है। पहले यह की प्रकरण ऐसे सूट या कार्रवाई से संबंधित हो, जिसे राजस्व न्यायालय की ओर से निर्णीत किया जा चुका हो। दूसरा यह कि निर्णय ऐसे सूट या कार्रवाई से संबंधित होना चाहिए, जिसके खिलाफ अपील का प्रावधान न हो। निगरानी अदालत का क्षेत्राधिकार इन दो शर्तों पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा कि एसडीएम ने निषेधाज्ञा अर्जी निस्तारित नहीं की थी, वह अभी उनके न्यायालय में लंबित है। इस स्थिति में यह मामला निर्णीत वाद की श्रेणी में नहीं आएगा। इसलिए इस अंतरिम आदेश के खिलाफ निगरानी याचिका पोषणीय नहीं है।

2024 : यूक्रेन-रूस युद्ध की थीम पर बने स्काई पटाखे, धमाके संग बिखेरेंगे छटा

प्रयागराज। दिवाली से पहले बाजारों में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। खरीदारी के लिए दुकानों पर अभी से लोगों की भीड़ जुटने लगी है। स्टॉल पर विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। खासतौर पर लोगों को यूक्रेन–रूस युद्ध की थीम पर बने स्काई पटाखे पसंद आ रहे हैं, जो 200 फीट ऊपर जाकर बजेंगे। पटाखा कारोबारी कादिर भाई ने बताया कि इस दिवाली पटाखा बनाने वाले कारीगर अंतरराष्ट्रीय युद्ध में प्रयोग की जाने वाली मिसाइल, ड्रोन बम और हेलीकॉप्टर की तर्ज पर पटाखे बना रहे हैं, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। कंपनियों ने इन सभी पटाखों के नाम भी विदेशी युद्ध मिसाइलों और ड्रोन बम के नाम पर रखा है। इनमें बंबारा मिसाइल, जेलेक्स, जिलजिल, मोनीपॉली, एलॉटर, पेनीस और शिव आकाशीय जैसे स्काई पटाखे शामिल हैं। इन सभी पटाखों की कीमत 100 से 200 रुपये पैकेट है। यह पटाखे आसमान में रंग–बिरंगे सितारों जैसी मनमोहक रोशनी भी फैलाएंगे। इन सबके अलावा बच्चों के 100 दानों की ग्रीन रंग का चटाई पटाखा आया है, जो बिल्कुल नया है। पटाखा कारोबारी बताते हैं कि पटाखा जितना मनोरंजन पूर्ण है, वह उतना ही खतरनाक है। जब भी पटाखा बजाएं सावधानी जरूर बरतें। गांव और मोहल्लों में बने देसी बम व पटाखों से दूर रहें। यह पटाखे प्रदूषण के साथ अधिक विस्फोटक होते हैं, जिससे जानमाल का खतरा रहता है।

प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुर धाम में होगा दीपोत्सव: 29 अक्टूबर से होंगे कार्यक्रम, जलाए जाएंगे में 1.25 लाख दीपक

प्रयागराज। प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुरधाम में 29 अक्टूबर से चलने वाले तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हैं। प्रथम दिन भव्य संतो के समागम के साथ महोत्सव का आगाज होगा। श्रृंग्वेरपुर महोत्सव के दूसरे दिन दीपावली की पूर्व संध्या पर श्रृंग्वेरपुरधाम का श्रीरामघाट दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। सवा लाख दीपोत्सव से श्रृंग्वेरपुरधाम के श्रीराम घाट की लौ से अयोध्या पुनः प्रकाशित होगी। भगवान श्रीराम के आगमन के दृश्य और मर्यादापुरषोत्तम की कथा श्रृंग्वेरपुर महोत्सव की थीम है। सवा लाख दीपदान भगवान राम के त्रेतायुगीन आगमन के साक्ष्य होंगे। प्रतीकात्मक रूप से दीपदान से श्रृंग्वेरपुरधाम पुनः अपने राम का इंतजार कर रहा है। 29 अक्टूबर से जय श्रीराम सेवा समिति के तत्वाधान में चलने वाले तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव में दूर दराज इलाकों से दर्शकों और ग्रामीणों का आगमन होगा। तीसरे दिवस पर दिव्य गंगा आरती एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। जय श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया की महोत्सव को लेकर लोगों मे उत्साह है। इस बार भव्य एवं दिव्य श्रृंग्वेरपुर महोत्सव मनाया जाएगा। श्रृंग्वेरपुर को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। श्रृंग्वेरपुर महोत्सव के संचालक एवं जय श्रीराम सेवा समिति के महामंत्री अरुण द्विवेदी ने बताया कि अयोध्या शोध संस्थान, ललित कला अकादमी उत्तरप्रदेश एवं अन्य राज्यों से कलाकारों की प्रस्तुति महोत्सव मे देखने को मिलेगी। विभिन्न प्रकार की झांकियों एवं नृत्य का समागम भी देखने को मिलेगा। लोक गीत, रामलीला दृश्य, देवी देवताओं की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। श्रृंग्वेरपुरधाम मे तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव मे रामकथा की रसधार बहेगी। कई जिलों एवं स्थानीय साधु संतो द्वारा भगवान राम के जन्म से लेकर श्रृंग्वेरपुर आगमन की कथा लोगो मे सासंस्कृतिक एवं धार्मिक उत्साह को बढ़ाएगी।

एकादशी पर करेंगे राजसी स्नान, मांगी 300 बीघा जमीन

प्रयागराज। अखिल भारतीय श्री रामानुज वैष्णव समिति आचार्य बाड़ा की बैठक बुधवार सुबह वेदांत देशिक सेवा संस्थान दारागंज में हुई। इस दौरान महाकुम्भ की एकादशी स्नान पर राजसी स्नान का निर्णय हुआ। समिति के संतों ने जनवरी 2023 में बने श्री नारायणी रामानुज अखाड़ा के तहत एकादशी पर राजसी स्नान का निर्णय लिया। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य ने बताया कि 300 बीघा जमीन की मांग भी रखी गई है। इसके अलावा पुरानी संस्थाओं को एक ही जगह बसाने की बात भी हुई है। अखाड़े के संतों की बैठक के बाद अब मेला प्रशासन के साथ भी वार्ता होगी।

निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रतिभाग

प्रयागराज। चतुर्थ वाहिनी पीएसी परिसर धूमनगंज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस माडर्न स्कूल के कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के लगभग दो सौ छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका व उनके योगदान को अपनी लेखनी से उजागर किया। मुख्य अतिथि सेनानायक मनीष कुमार शांडिल्य ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद मिलती है। इस अवसर पर उप सेनानायक सुरेशचंद्र रावत, सूबेदार मेजर रावेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक केशवचंद्र राय, प्लाटून कमांडर संतोष कुमार, प्रिंसिपल मंगला मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

31 अक्तूबर तक ही मान्य होगी सक्रिय सदस्यता

प्रयागराज। भाजपा कार्यालय सिविल लाइंस में महानगर के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संगठन के चुनाव के लिए मनोनीत सह अधिकारी कमलेश कुमार गौतम का मंगलवार को स्वागत किया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं सह अधिकारी कमलेश कुमार गौतम ने कहा कि सदस्यता अभियान 30 अक्तूबर के बाद भी चलता रहेगा लेकिन सक्रिय सदस्यता 31 अक्तूबर तक ही मान्य होगी।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062